PLANT DESCRIPTION

पौधा का नाम – प्रिकली साइकैड (Prickly Cycad)

- **हिन्दी नाम** – कांटेदार साइकैड
- **वनस्पतिक नाम (Botanical Name)** – *Cycas revoluta*
- **कुल (Family) का नाम** – Cycadaceae

🌱 **पौधा का स्वभाव**

- यह एक **धीमी गति से बढ़ने वाला, सदाबहार जिम्नोस्पर्म पौधा (Gymnosperm)** है।
- आकार में यह **झाड़ी या छोटा पेड़** जैसा होता है, जिसकी ऊँचाई 1–3 मीटर तक पहुँच सकती है।
- **तना (Stem)** – मोटा, बेलनाकार और बिना शाखाओं वाला होता है, ऊपर पत्तियों का मुकुट (crown) होता है।
- **पत्तियाँ (Leaves)** – कठोर, गहरे हरे रंग की और कांटेदार किनारों वाली — जिससे इसे "prickly" कहा जाता है।
- **बीज (Seeds)** – बड़े, नारंगी या भूरे रंग के, मादा पौधों में बनते हैं।
- यह पौधा **द्विलिंगी (dioecious)** है, यानी नर और मादा पौधे अलग-अलग होते हैं।

🌿 **पौधे की विशेषताएँ (Nature / Behavior)**

- यह बहुत **धीरे बढ़ने वाला** पौधा है (एक साल में कुछ सेंटीमीटर)।
- **सूखे और गर्म जलवायु में सहनशील**, परंतु छाया और नमी वाली जगह पर बेहतर बढ़ता है।
- लाखों वर्ष पुराने पादप समूह "जिम्नोस्पर्म" का सदस्य — जिसे "**living fossil**" कहा जाता है।

⚒ **उपयोग**

1. **सजावटी उपयोग** 🌴
    - बगीचों, पार्कों और घरों की सजावट में **ornamental plant** के रूप में लगाया जाता है।
    - इसकी सममितीय आकृति और गहरी हरी पत्तियाँ इसे अत्यंत आकर्षक बनाती हैं।
2. **लैंडस्केपिंग में उपयोग**
    - सजावटी उद्यानों, होटल परिसर और घरों के मुख्य प्रवेश पर लगाया जाता है।
3. **सांस्कृतिक उपयोग**
    - जापान और चीन में इसे **समृद्धि और दीर्घायु का प्रतीक** माना जाता है।

🌿 **औषधीय उपयोग (Medicinal Uses)**

⚠️ *Cycas revoluta* में कुछ **विषैले यौगिक** होते हैं (जैसे साइकासिन – *cycasin*), इसलिए इसका औषधीय उपयोग बहुत सीमित और सावधानीपूर्वक किया जाता है।

1. **बीज और पत्तियाँ (Seeds & Leaves)**

- पारंपरिक चिकित्सा में बहुत कम मात्रा में उपयोग किया जाता है।
- कुछ एशियाई देशों में बीजों को उबालकर या प्रसंस्कृत कर दर्द निवारक (analgesic) के रूप में।
- पत्तियों के अर्क से **घावों पर लेप** और **त्वचा संक्रमण** में पारंपरिक प्रयोग।

2. **जड़ (Root)**
    - कभी-कभी टॉनिक के रूप में प्रयोग (काफ़ी दुर्लभ)।

⚠️ सावधानी

- इस पौधे के **कच्चे बीज और अन्य भाग विषैले** होते हैं; सेवन से **उल्टी, यकृत क्षति, या न्यूरोटॉक्सिक प्रभाव** हो सकते हैं।
- औषधीय उपयोग केवल **विशेषज्ञ या प्रशिक्षित वैद्य** की देखरेख में ही करना चाहिए।

🌸 विशेष तथ्य

- यह पौधा **जुरासिक युग के समय से अस्तित्व में है** — यानी डायनासोर कालीन वनस्पति का आधुनिक रूप!
- जापान में इसे "**Sago Palm**" भी कहा जाता है, हालाँकि यह असली पाम नहीं है।
- इसके बीजों से तैयार स्टार्च (Sago) का सीमित उपयोग कुछ देशों में किया जाता है, परंतु विषहरण (detoxification) के बाद ही।